रूतबा तेरी शक्ति का

रूतबा तेरी शक्ति का, सारे संसार में, सारे संसार में,
आज भी है और कल भी रहेगा,
चर्चा यही माँ, तेरा एक में हजार में, एक में हजार में,
आज भी है और कल भी रहेगा,
रूतबा तेरी शक्ति का…

जो सच्ची श्रद्धा से शरण में तेरी आता है,
होकर निहाल मैया गीत खुशियों के गाता है,
असर दुआ का मैया तेरे प्रसाद में, तेरे प्रसाद में,
आज भी है और कल भी रहेगा,
रूतबा तेरी शक्ति का…

श्रष्टि कर्ता है तूँ, तुही दुनियाँ की मालिक है,
है कौन बड़ा तुझसे सभी तो तेरे बालक हैं,
सुख का भरोसा मेरी मैया तेरे प्यार में, मैया तेरे प्यार में,
आज भी है और कल भी रहेगा,
रूतबा तेरी शक्ति का…

गीतकार : श्री मनोज कुमार खरे
गायन स्वर : संदीप यादव एवं स्वाति खरे

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28394/title/rutba-teri-shakti-ka

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |